**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 3687**
**बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

## कृषि मौसम विज्ञान परामर्शी सेवाएं

†3687. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इस देश में कृषि मौसम विज्ञान परामर्शी सेवाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) क्या नीति आयोग द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार सरकार की जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाइयों (डीएएमयू) का निजीकरण करने की योजना है;
(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में जिन विशिष्ट अध्ययनों अथवा आंकड़ों पर विचार किया गया है, उनका ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार द्वारा छोटे किसानों पर इसके प्रभावों को समझने के लिए कोई अध्ययन कराया जा रहा है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) – (घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) आदि के सहयोग से मौजूदा 130 कृषि-मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाइयों के माध्यम से ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के तहत किसानों को मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि- परामर्शी सेवाएं प्रदान कर रहा है। कृषि-मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाइयां अपने-अपने जिलों के लिए कृषि परामर्शिकाएं तैयार करती हैं और उन्हें मास मीडिया, मोबाइल ऐप, एसएमएस आदि सहित विभिन्न तरीकों से प्रसारित करती हैं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

*********